RNI No.-UPHIN/2010/35514
संयुक्तांक : 10-11

ISSN-0976-349X
मार्च, 2014

इतिहास दृष्टि

संपादक

सैयद नजमुल रज़ा रिज़वी

सम्पर्क कार्यालय
6, प्रोफेसर कालोनी
विश्वविद्यालय परिसर
दी0द0उ0 गोरखपुर विश्वविद्यालय
गोरखपुर-273009
(उत्तर प्रदेश)

विषय–क्रम

क्र०	विषय	लेखक	पृष्ठ सं०
१.	प्राचीन तथा प्रारम्भिक मध्यकालीन भारत में दास व्यापार	ओम प्रकाश श्रीवास्तव	१–११
२.	क्या नदी जल मानव अस्तित्व की पूर्व शर्त है– आधुनिक शोधों से प्राप्त प्रत्यक्ष ज्ञान (अनुभूति)	आर०सी० ठाकरान	१२–२२
३.	गढ़ा के गोंड कालीन तांत्रिक मंदिर एवं तंत्र साधना	नवीन गिडियन	२३–२८
४.	प्राचीन संस्कृति और कला में मत्स्य के अंकन	मीनू अग्रवाल	२९–३३
५.	मध्यकालीन समय में हिन्दी/हिन्दवी	इरफ़ान हबीब	३४–३९
६.	पूर्व औपनिवेशिक अवध में राज, भूस्वामी वर्ग एवं सूफ़ी	एस०ज़ेड०एच० जाफ़री	४०–५६
७.	कव्वाली में भाव की अभिव्यक्ति	शिवांगिनी टंडन	५७–५९
८.	अठारह सौ सत्तावन का स्वातं य संग्राम और नेपाल	एस०एन०आर० रिज़वी	६०–७२
९.	१८५७ के विद्रोह के पश्चात् लूट का वैधानिकरण दिल्ली शहर तथा प्राइज़ एजेन्ट्स	शाहीन इस्लामुद्दीन	७३–८६
१०.	राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में गदर आन्दोलन की अनुपस्थिति के विरूद्ध	प्रदीप सक्सेना	८७–९१
११.	प्राक् औपनिवेशिक काशी के सामाजिक 'गुण्डे' और जनपक्षीय इतिहास : कुछ प्रसंग	गिरीश चन्द्र पाण्डेय	९२–९९
१२.	उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में दलित समाज	राम विलास भारती	१००–१११
१३.	शोरा उद्योग और पूर्वी उत्तर प्रदेश : १९वीं शताब्दी के सन्दर्भ में एक अवलोकन	आलोक रंजन	११२–११८
१४.	पुस्तक समीक्षा	मुकुन्द शरण त्रिपाठी	११९